हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस

नेत्रदान कर रोशन करें दूसरों की जिंदगी : डॉ0 धन सिंह रावत 3

वर्ष : 11 अंक : 65 देहरादून, शुक्रवार, 26 अगस्त, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

सालम क्रांति पर बनेगी डॉक्युमेंट्री, नई पीढ़ी जानेगी इतिहास : मुख्यमंत्री

सलीम सैफ़ी की विशेष रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अल्मोड़ा, 25 अगस्त। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तहसील जैंती के धामदेव में सालम क्रांति दिवस के अवसर पर शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीद नर सिंह एवं टीका सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस क्षेत्र के स्वतंत्रता सेनानी नर सिंह और टीका सिंह ने अग्रेजो से लड़ते हुए 25 अगस्त 1942 को इस स्थान पर बलिदान दिया था। उनकी बरसी पर हर साल धामदेव में यह दिवस मनाया जाता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि नर सिंह और टीका सिंह के जीवन से आज युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि शहीदों का सम्मान स्वयं का भी सम्मान है। उन्होंने कहा कि देश ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के वीर सपूतों को याद करते हुए आजादी का अमृत महोत्सव मनाया है , जिसके तहत आजादी के ऐसे अनगिनत अमर शहीदों को याद किया गया। उन्होंने हर घर झंडा अभियान में भागीदारी के लिए जनता जनार्दन का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि आज देश प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विश्व में अपना परचम लहरा रहा है। कहा कि भारत की परिस्थितियां पहले की अपेक्षा काफी बदल गई हैं। उन्होंने कहा कि देश की सेना अब दुश्मनों की गोली का जवाब गोलों से देती है, इसके लिए सेना को निर्णय लेने की छूट दी गई है। उन्होंने कहा कि मानस कोरिडोर के तहत कुमाऊं के सभी प्रमुख मंदिरों का कायाकल्प किया जाएगा, उनका सौंदर्यीकरण किया जाएगा। कहा कि समान नागरिक संहिता की दिशा में प्रदेश आगे बढ़ रहा है। इसके लिए गठित समिति की कई अहम बैठकें भी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार प्रदेश के विकास को समर्पित है।

उन्होंने कहा कि जागेश्वर धाम का विकास भी मास्टर प्लान के तहत प्राथमिकता से किया जाएगा। उन्होंने कहा की पिछली बार उनके द्वारा सालम के लिए की गई पचास लाख की घोषणा का टेंडर भी हो गया है। जल्द ही इस पर कार्य शुरू हो जाएगा। उन्होंने आगामी पांच वर्षों में राज्य की जीडीपी को दुगना करने की बात कही, इसके लिए सरकार लगातार इस दिशा में प्रयासरत है। सालम क्रांति पर एक डॉक्यूमेंट्री बनाने की भी बात कही, जिससे आने वाली पीढ़ी सालम का इतिहास जान सके। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा में तीस लाख से अधिक श्रद्धालुओं का आना एक रिकॉर्ड है।

मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत कर्नाटक से लाएंगे सहकारिता का कामयाब फार्मूला

राष्ट्रीय स्तर के स्वास्थ्य एवं शिक्षण संस्थानों का करेंगे भ्रमण

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

एनईपी पर डॉ0 के0 कस्तूरीरंगन के साथ करेंगे चर्चा

देहरादून, 25 अगस्त। कैबिनेट मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत कर्नाटक के दौरे पर गए हैं। डॉ0 रावत कर्नाटक में राज्य सहकारी बैंकों, अन्य अपैक्स बैंकों सहित राष्ट्रीय स्तर के स्वास्थ्य एवं शिक्षण संस्थानों का भ्रमण करेंगे। अपने तीन दिवसीय दौरे के दौरान डॉ0 रावत पूर्व ईसरो प्रमुख एवं नई शिक्षा नीति समिति के चेयरमैन डॉ0 के0 कस्तूरीरंगन से मुलकात कर उत्तराखंड में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू किये जाने एवं एनईपी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करेंगे, इसके साथ ही वह कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत से भी शिष्टाचार भेंट करेंगे।

कर्नाटक रवाना होने से पहले कैबिनेट मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने बताया कि कर्नाटक सहकारिता के क्षेत्र में शीर्ष राज्यों की श्रेणी में आता है। सहकारिता के क्षेत्र में कर्नाटक राज्य द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों की जानकारी लेकर कर उत्तराखंड में भी सहकारिता के माध्यम से कृषि गतिविधियों, ग्रामीण गतिविधियों और ग्रामीण विकास पर काम करेंगे।

डॉ0 रावत ने बताया कि कर्नाटक राज्य सहकारी बैंकों एवं अन्य अपैक्स बैंकों के अधिकारियों से वह बैंकों की कार्यप्रणाली की बारीकियां जानेंगे। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में भी कर्नाटक ने कई महत्वपूर्ण कार्य किये हैं। तीन दिवसीय भ्रमण के दौरान डॉ0 रावत शुक्रवार को नेशनल इंस्टीट्यूशन ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंस का भ्रमण कर करेंगे। इसके अलावा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बंगलुरू, नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रिडिएशन कॉउंसिल, बंगलुरू विश्वविद्यालय सहित अन्य राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न संस्थानों का भी भ्रमण करेंगे।

अपने कर्नाटक भ्रमण के दौरान डॉ0 रावत इसरो के पूर्व निदेशक एवं नई शिक्षा नीति समिति के चेयरमैन डॉ0 के0 कस्तूरीरंगन से भी मुलाकात करेंगे और उन्हें राज्य में एनईपी लागू किये जाने की जानकारी भी देंगे।

मुलाकात के दौरान डॉ0 कस्तूरीरंगन के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करेंगे। डॉ0 रावत ने बताया कि राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्राथमिक स्तर पर लागू करने के बाद शीघ्र ही उच्च शिक्षा में भी लागू कर दी जायेगी, जिसकी तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही है। कर्नाटक भ्रमण के दौरान उच्च शिक्षा विभाग से रूसा सलाहकार प्रो0 एम0एस0एम0 रावत एवं दून मेडिकल कालेज के वरिष्ठ न्यूरो सर्जन डॉ0 डी0पी0 तिवारी कैबिनेट मंत्री के साथ रहेंगे।

यूकेएसएसएससी परीक्षा लीक मामला 23 नम्बर पर अधिकारी धरे गए

एसटीएफ द्वारा परीक्षा लीक मामले में जांच पंतनगर यूनिवर्सिटी में रिटायर्ड अधिकारी तक पहुंची

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 25 अगस्त। एसटीएफ द्वारा गहन पूछताछ और साक्ष्य/इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस के आधार पर दिनेश चंद्र जोशी, रिटायर्ड A. E. O.(असिस्टेंट एस्टेब्लिसमेंट ऑफिसर) को गिरफ्तार किया गया है । ये अभियुक्त वर्ष 2006 से 2016 तक परीक्षा सेल पंत नगर यूनिवर्सिटी में कार्यरत रहा व यूनिवर्सिटी के परीक्षा और प्रिंटिंग कार्य हेतु लंबे समय से यूकेएसएसएससी परीक्षा प्रिंटिंग प्रेस आरआईएमएस लखनऊ के लोगो से जुड़ा था* जहा से परीक्षा के पूर्व में प्रश्न पत्र एक मध्यस्थ के माध्यम से प्राप्त कर हल्द्वानी व आसपास में छात्रों को दिए गए जिसकी एवज में अस्सी लाख रुपए मिले थे

पूछताछ के बाद महत्वपूर्ण कड़ियां इस मामले में जुड़ती जा रही है जिसमे भविष्य में और लोगो की गिरफ्तारी संभव है ये दावा एसटीएफ चीफ अजय सिंह ने किया है।

4 संकेत हृद्पात के जो आप शायद नहीं जानते हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दिल की विफलता शुरुआती, सूक्ष्म लक्षण पैदा कर सकती है जो बीमारी के बिगड़ने और आसन्न मौत के ₹उत्तेजकर₹ हो सकते हैं, परिसंचरण, दिल की विफलता के लक्षणों के साथ-साथ स्ट्रोक सहित अन्य हृदय रोगों के बारे में नवीनतम ज्ञान की रूपरेखा तैयार करता है।

दिल की विफलता तब होती है जब हृदय अन्य अंगों को पर्याप्त रक्त और ऑक्सीजन पंप नहीं कर पाता है। यह घातक हो सकता है। दिल की विफलता आमतौर पर ठीक नहीं हो सकती है, लेकिन रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्रों के अनुसार, प्रारंभिक उपचार लोगों को बेहतर जीवन स्तर के साथ लंबे समय तक जीने में मदद कर सकता है। उपचार में दवाएं, शारीरिक गतिविधि और आहार में नमक कम करना शामिल है।सिगरेट पीना, अत्यधिक मात्रा में शराब पीना, अपर्याप्त शारीरिक गतिविधि, और खराब आहार - जो कि नमक, वसा या कोलेस्ट्रॉल में बहुत अधिक है - ये सभी हृदय गति रुकने के जोखिम को बढ़ाते हैं। हृदय रोग, पिछले दिल के दौरे, उच्च रक्तचाप, मोटापा और मधुमेह जैसी चिकित्सा स्थितियों में भी

इसके होने का खतरा बढ़ जाता है।

दिल की विफलता के लक्षण :

सांस लेने में गंभीर समस्याएं मौत के बढ़ते जोखिम से जुड़ी हैं. दिल की विफलता में आमतौर पर थकान महसूस होना और पैरों, पैरों या टखनों में सूजन शामिल है.

दिल की विफलता के शुरुआती लक्षणों में पेट की ख़राबी, मतली, उल्टी और भूख न लगना शामिल हैं।

दिल की विफलता के परिणामस्वरूप मांसपेशियों की बर्बादी यह संकेत दे सकती है कि रोग अधिक उन्नत चरणों में प्रगति कर रहा है

पुरुषों की तुलना में दिल की विफलता वाली महिलाओं में मतली, दिल की धड़कन, एक परेशान पेट, पसीना, सूजन, दर्द, अवसाद, चिंता, और जीवन की निम्न गुणवत्ता की रिपोर्ट करने की संभावना अधिक थी। महिलाओं में बाद की उम्र में दिल की विफलता का निदान किया जाता है, और महिलाओं को अधिक समवर्ती बीमारियां हो सकती हैं, जो इन अंतरों को आंशिक रूप से समझा सकती हैं

आयुर्वेद के अनुसार पानी पीने के 5 नियम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पानी सबसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व है जिसकी हमारे शरीर को दिन में कम से कम हर कुछ घंटों में आवश्यकता होती है। हमारे शरीर को पाचन से लेकर शरीर के तापमान को नियंत्रित करने से लेकर पोषक तत्वों के परिवहन तक कई महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए इसकी आवश्यकता होती है। प्यास लगना मस्तिष्क का यह बताने का तरीका है कि आप निर्जलित हैं और आपके शरीर में ठीक से काम करने के लिए पर्याप्त तरल पदार्थ नहीं हैं।

जबकि हमें अभी भी इस बात का अंदाजा है कि रोजाना कितना पानी पीना चाहिए यानी आठ गिलास, हम शायद ही कभी इस बात पर ध्यान देते हैं कि हम पानी का सेवन कैसे कर रहे हैं। वास्तव में, पीने का पानी एक ऐसी चीज है जिसके बारे में हम ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं। आयुर्वेद इष्टतम स्वास्थ्य के लिए पीने के पानी के कुछ डॉस और डॉनट्स की सिफारिश करता है।

हमारी आधुनिक जीवन शैली में, हर कोई जल्दी में है और अगले एक के लिए समय बचाने के लिए कार्य तेजी से किए जाते हैं, लेकिन आयुर्वेद के अनुसार पानी पीना हानिकारक है और इसके बजाय इसे पीना चाहिए।

जब पारा ऊपर जाता है, तो हम अपने पाचन पर इसके प्रभाव को महसूस किए

बिना सीधे रेफ्रिजरेटर से ठंडे पानी को पीने के लिए ललचाते हैं। इससे बचना चाहिए। इसके अलावा, सुबह सबसे पहले पानी पीना आपके स्वास्थ्य के लिए अद्भुत काम कर सकता है।

पीने के पानी के आयुर्वेदिक नियम :

- खड़े रहने के बजाय बैठकर पानी पिएं क्योंकि यह आपके शरीर द्वारा बेहतर तरीके से अवशोषित होता है।

- घूंट-घूंट करके पानी पिएं और कभी भी पानी न पिएं: सिर्फ आठ गिलास के अपने दैनिक कोटे को पूरा करने के लिए, आपको एक साथ 2-3 गिलास पानी पीने की आवश्यकता नहीं है। आयुर्वेद के अनुसार पानी का सेवन छोटे घूंट में और पूरे दिन करना चाहिए।

- गर्म या कमरे के तापमान पर पानी पिएं, कभी भी सीधे फ्रिज से ठंडा पानी न पिएं क्योंकि ठंडा पानी आपकी पाचन अग्नि को नम कर देता है।

- पानी जमा करने के लिए मिट्टी के बर्तन या तांबे या कम से कम स्टील का इस्तेमाल करें.

- कभी भी बहता पानी न पिएं। हमेशा जमा हुआ पानी ही पिएं।

- अपने पाचन में सुधार के लिए पानी पीने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि उबला हुआ पानी पिएं और इसकी मात्रा एक तिहाई या एक चौथाई या एक से दो गुना कम हो जाए।

- जैसे ही आप उठें, गर्म पानी पीने की बात करें।

पानी कब पीना है?

₹भोजन के 30 मिनट बाद या पहले पानी पिएं। यह एक वात व्यक्ति के लिए आदर्श है जो भोजन के 30 मिनट बाद और अधिक वजन वाले कफ व्यक्ति के लिए भोजन से 30 मिनट पहले पानी पीने के लिए कुपोषित है।

अपने गर्म पानी में क्या डालें

गर्मी को छोड़कर सभी मौसमों में जीरा के साथ उबला हुआ पानी पीना चाहिए।

अब हेलमेट पहनने के बाद भी काट सकता है चालान जानें क्या है नया नियम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारतीय सड़कों पर दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य है। बिना हेलमेट के वाहन चलाना यातायात नियमों का उल्लंघन है और भारी जुर्माना लगता है। जुर्माने से बचने के लिए लोग सिर पर किसी भी तरह का हेलमेट पहन लेते हैं, भले ही उस हेलमेट का पट्टा टूटा ही क्यों न हो, लोग जुर्माने से बचने के लिए जान की चिंता किए बिना ऐसे हेलमेट पहन लेते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए उत्तराखंड में नए यातायात नियमों में एक और नियम जोड़ा गया है। आइए जानते हे क्या है वह नियम वैसे ट्रैफिक नियमों के मुताबिक हेलमेट पहनने पर 2000 रुपये का चालान काटा जा सकता है और इसे देख इस नियम को बनाने की जरूरत क्यों पड़ी।

मोटर व्हीकल एक्ट के अनुसार यदि आप दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनकर पट्टी को लॉक नहीं करते हैं तो आपको 2000 रुपये तक का चालान करना होगा। यह नियम लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। कभी कभी पट्टी बांधना भूल जाते हैं।अब ट्रैफिक पुलिस इस बात पर पूरा ध्यान दे रही है.मोटर व्हीकल एक्ट 194 डी के अनुसार अगर आप बिना हेलमेट के पकड़े जाते हैं तो आपको 1000 रुपये का जुर्माना देना होगा, जबकि बिना बीआईएस के हेलमेट पहनने पर 1000 रुपये तक का चालान हो सकता है। इसलिए जब आप पहने हुए पाए जाते हैं। बिना स्ट्रिप लॉक वाला हेलमेट, 2000 रुपये का चालान भरना पड़ सकता है।

साथ ही, नए मोटर व्हीकल एक्ट के अनुसार, वाहन को ओवरलोड करने पर आपको 20,000 रुपये का भारी जुर्माना भरना पड़ सकता है। साथ ही ऐसा करने पर 2,000 रुपये प्रति टन का अतिरिक्त जुर्माना लगेगा। एक नियम यह भी है कि अगर आप चप्पल पहनकर बाइक चलाते हुए पकड़े जाते हैं तो आपको चालान का सामना करना पड़ सकता है।

सी.डी. रेशियो बढ़ाने के प्रयास किये जाएं : मुख्यमंत्री

मो0 सलीम सैफ़ी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 25 अगस्त। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का आमजन तक पूरा लाभ पहुंचे, इसके लिए विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के तहत लोन की प्रक्रियाओं के सरलीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए। प्रदेश के समग्र विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा जो प्रयास किये जा रहे हैं, उनमें बैंको को भी अपेक्षित सहयोग करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में क्रेडिट-जमा अनुपात (सी.डी. रेशियो) कम होना चिंता का विषय है। इसको बढ़ाने के प्रयास किये जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत लोन लेने में समस्या न हो, इसके लिए सभी बैंको को फार्म के सरलीकरण के साथ फार्म का फार्मेट भी एक तरह का हो, इस पर भी ध्यान देना होगा। लोन के लिए आवश्यक दस्तावेज एवं अन्य मानकों की जानकारी बैंको की शाखाओं में बोर्ड के माध्यम से भी दी जाएं। लोन के आवेदनों की अधिक समय तक पेंडेंसी खेदजनक विषय है। पेंडेंसी को रोकने के लिए आवेदन के बाद लोन स्वीकृत होने के लिए समय निर्धारित किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि अनावश्यक रूप से फार्म रिजेक्ट न हों। इसके लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं बैंकर्स की भी जिम्मेदारी फिक्स की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 5 सालों में राज्य आय को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। जिसके लिए विभागों और बैंको को भी समन्वय से कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न योजनाओं के तहत विभागों एवं बैंकों को जो लक्ष्य दिया जाता है, वो लक्ष्य न्यूनतम होता है। न्यूनतम लक्ष्य प्राप्ति के बाद आमजन को योजनाओं का कितना फायदा मिल पाता है, यह विभाग एवं बैंकों के लिए उपलब्धि होगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित किया जाए कि जनपदों एवं ब्लॉक स्तर पर बैंकर्स समिति की बैठक नियमित हो। ब्लॉक स्तर पर होने वाली बैठकों में मुख्य विकास अधिकारी भी जाएं। उन्होंने कहा कि हम आजादी के अमृतकाल में प्रवेश कर चुके हैं। आने वाले समय में देश हर क्षेत्र में तेजी करे, राज्य में हर क्षेत्र में प्रगति हो, इस दिशा में सबको मिलकर प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की आमजन तक पूरी जानकारी हो और वे योजनाओं का पूरा लाभ उठा सकें, इसके लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान भी चलाए जाएं।

इस अवसर पर वित्त मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सीजीएम एस.बी.आई , कल्पेश कृष्ण कान्त, जी.एम एस.बी.आई अभय सिंह, सीजीएम नाबार्ड , भाष्कर पंत, जीएम पीएनबी संजय कांडपाल, उत्तराखण्ड शासन के सचिवगण एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नेत्रदान कर रोशन करें दूसरों की जिंदगी : डॉ0 धन सिंह रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 25 अगस्त। राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने 37वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाडे का विधिवत शुभारम्भ किया। उन्होंने नेत्रदान के लिये स्वयं को संबंधित पोर्टल पर पंजीकृत कर नेत्रदान के लिये शपथपत्र भी भरा। उनके साथ ही मेयर देहरादून सहित एक दर्जन जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नेत्रदान के लिये पंजीकरण कर शपथपत्र भरा। डॉ0 रावत ने कहा कि आज से प्रदेशभर में व्यापक स्तर पर नेत्रदान किये जाने हेतु जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। जिसमें लोगों को जरूरतमंदों के लिये नेत्रदान हेतु जागरूक करते हुये विभागीय पोर्टल पर पंजीकरण कर शपथपत्र भराया जायेगा।

नगर निगम देहरादून के प्रेक्षागृह में आयोजित नेत्रदान पखवाडे के शुभारम्भ अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने बताया कि राज्य सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार जन अपेक्षाओं के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार कर रही है। उन्होंने आज से आगामी 8 सितम्बर तक चलने वाले नेत्रदान पखवाड़ा का विधिवत शुभारम्भ किया। डॉ0 रावत ने कहा कि आगामी 15 दिनों तक इस अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जायेगा। जिसके तहत जिला से लेकर ब्लॉक स्तर के सरकारी अस्पतालों में विभिन्न संचार माध्यमों, बैनर, पोस्टर एवं होर्डिंग के साथ ही गोष्ठियों के माध्यम से आम लोगों के नेत्रदान के लिये जागरूक किया जायेगा साथ ही नेत्रदान के लिये इच्छुक लोगों का ऑनलाइन एवं ऑफलाइन पंजीकरण कराया जायेगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि वर्तमान में राज्य में मात्र तीन नेत्र बैंक स्थापित हैं, निकट भविष्य में प्रदेश के सभी राजकीय मेडिकल कॉलेजों एवं बड़े अस्पतालों में भी नेत्र बैंक की स्थापना की जायेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में श्रीलंका पूर्व विश्व में एकमात्र देश है जहां पर सर्वाधिक नेत्रदान किया जाता है। इसी तर्ज पर प्रदेश में भी नेत्रदान के लिये कार्ययोजना बनाने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि शीघ्र ही प्रदेशभर में नेत्र परीक्षण शिविरों का आयोजन कर इस वर्ष एक लाख मोतिया बिंद के रोगियों का निःशुल्क ऑपेशन कर चश्मा भी वितरित किया जायेगा।

इस अवसर पर मेयर देहरादून सुनील उनियाल गामा, विधायक घनसाली शक्ति लाल शाह, पूर्व विधायक केदार सिंह रावत, राजपुर विधायक के प्रतिनिधि विशाल गुप्ता, मिशन निदेशक एनएचएम डॉ0 राजेश कुमार, निदेशक स्वास्थ्य सेवा विनीता शाह, निदेशक एनएचएम डॉ0 सरोज नैथानी, सीएमओ देहरादून डॉ0 मनोज उप्रेती, सीएमएस जिला अस्पताल डॉ0 शिखा जंगपांगी सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी तथा आशा कार्यकत्रियां उपस्थित रहे।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष शशांक रावत ने महापुरुषों को किया नमन

फ़िरोज़ आलम गांधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

25 अगस्त , देहरादून , भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शशांक रावत ने कचहरी स्थित शहीद स्मारक घंटाघर स्थित भारत रत्न डा भीमराव अंबेडकर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, राजपुर रोड में स्वामी विवेकानंद जी एवं उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलन के पुरोधा इंद्रमणि बडोनी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की ।

इस अवसर पर मौजूद कार्यकर्ताओं से बातचीत में उन्होने कहा, हमारे देश में कई ऐसे महापुरूष हुए हैं, जिनके जीवन और विचार से कोई भी व्यक्ति बहुत कुछ सीख सकता है. उनके विचार ऐसे हैं कि निराश व्यक्ति भी अगर उसे पढ़े तो उसे जीवन जीने का एक नया मकसद मिल सकता। उन्होंने कहा हमे इन महापुरुषों के सिद्धांतों पर अमल कर देश व समाज का निर्माण करना है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रदेशवासी राज्य निर्माण में स्वर्गीय बडोनी के अमिट योगदान को कभी नहीं भूल सकते हैं । उन्होने पृथक राज्य के आंदोलन को उन विपरीत परिस्थितियों में मजबूती से खड़ा किया।

उन्होने युवा साथियों से आहवाहन किया कि हम उनके और अन्य राज्य आंदोलनकारी शहीदों के सपनों के अनुरूप उत्तराखंड बनाएँ यही उनके प्रति सच्ची श्रन्धांजली होगी इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष मधुसूदन जोशी, विपुल मैदोली, रवि पाल, दिव्या राणा विमल चौधरी, आशीष रावत, महानगर अध्यक्ष अंशुल चावला, कुलदीप पंत, पंख विष्ट आदेश कठैत, गौरव सिंह विवेकदीपसिहं, साहिल बेलवाल, वासु शर्मा, समर गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहें

धामी सरकार में तैयार हर रहा हाथी मधुमक्खी और मिशन सेफ्टी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 25 अगस्त। उत्तराखंड की सड़कों और जंगली इलाकों के करीब बसे गाँव और बाजार में में हाथियों के हमले और फसलों को बर्बाद करने की घटनाएं आये दिन सामने आती रहती हैं। अक्सर स्थानीय लोगों पर जानलेवा हमले की वीडियो और फोटो भी सामने आती रहती है लेकिन अब एक अनोखे फार्मूले से हांथियों को भगाये जाने की योजना बनायीं गयी है। आगे आपको इस पर जानकारी दे रहे हैं।

कॉर्बेट नेशनल पार्क के हाथियों को आबादी में आने से रोकने के लिए अब नया तरीका अपनाया जा रहा है। पार्क प्रशासन गांव के आस-पास बीहाइव फेंसिंग यानी मधुमक्खियों के छत्ते लगाकर हाथियों को आबादी में आने से रोकेगा। रिहायशी में घुसकर हाथी आमतौर पर हमलावर हो जाता है। हाथियों के झुंड ग्रामीणों की फसलें भी बर्बाद कर देते हैं। कॉर्बेट के करीब 1288 वर्ग किमी के दायरे में रहने वाले लोग खेती पर ही निर्भर हैं। लेकिन जंगली जानवर उनकी फसलों को बर्बाद कर देते हैं।

बीहाइव फेंसिंग रोकेगी हाथियों की हुड़दंग : आबादी में हाथियों के घुसने से जानमाल का खतरा हर वक्त बना रहता है। अधिकारियों के अनुसार, पार्क में पहली बार बीहाइव फेंसिंग के जरिए हाथियों को आबादी में आने से रोकने की योजना बनाई है। पार्क सीमा पर मधुमक्खियों के छत्ते लगाए जाएंगे। हाथी हमेशा मधुमक्खियों से दूर भागता है। अपने आसपास मधुमक्खियों की भनक लगते ही हाथी जंगल का रुख कर लेगा।विशेषज्ञों की मानें तो कॉर्बेट पार्क से सटे गांव की सीमा पर चार से पांच फीट के पोल लगाए जाएंगे। एक पोल पर दो बॉक्स रखे जाएंगे। इनमें मधुमक्खियों का छत्ता रखा जाएगा। पोल की आपस में दूरी तीन से पांच मीटर तक होगी। विशेषज्ञ बताते हैं कि हाथी मधुमक्खियों से खौफ खाता है। वह सुरक्षित रास्ते का रुख कर लेता है।

दो साल में हाथी के पांच हमले, एक की मौत: मीडिया रिपोर्ट्स बताती है कि कॉर्बेट पार्क में दो सालों में पांच लोगों पर हांथियों का हमला हो चूका है। कॉर्बेट पार्क के अधिकारी कहते हैं कि कॉर्बेट के आसपास 17 ईडीसी गांव हैं। गांव वालों को इस योजना के बारे में बताया जाएगा। मधुमक्खी पालन की जिम्मेदारी विभाग के अलावा ग्रामीणों को भी दी जाएगी। मौन पालन से मिलने वाले शहद से ग्रामीणों को रोजगार का साधन भी मिलेगा। हाथियों के प्रकोप से बचने पर बेहतर फसल आदि का लाभ होगा। जल्द इस संबंध में ग्रामीणों की बैठक ली जाएगी। अब इस अनोखी योजना से उम्मीद है कि इस समस्या से निजात मिल सकेगी।

7वां देहरादून अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म फेस्टिवल 11 से 13 नवंबर तक सिल्वर सिटी में

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 25 अगस्त। अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल के आयोजक राजेश शर्मा ने कहा कि छह सफल वर्षों की एक श्रृंखला के बाद, हम एक बार फिर 7वें देहरादून अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल 2022 (डीआईएफएफ) का आयोजन 11 से 13 नवंबर 2022 तक सिल्वरसिटी मल्टीप्लेक्स, राजपुर रोड, देहरादून, उत्तराखंड में कर रहे हैं। जिसके लिए फ़िल्म एंट्रीज आमंत्रित की जा रही है।

राजेश शर्मा ने बताया कि डीआईएफएफ का मुख्य उद्देश्य विश्व स्तर के सिनेमाघरों के लिए जागरूकता पैदा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित, पुरस्कार विजेता और दुनिया भर में सराहना की जाने वाली फिल्मों को पेश करना है, जो आमतौर पर पूरे भारत में उपलब्ध नहीं हैं। सिनेमा के साथ-साथ सेमिनार, प्रस्तुति, चर्चा और दर्शकों के साथ फिल्म बिरादरी की बातचीत भी इस प्रतिष्ठित सिनेमाई आयोजन के महत्वपूर्ण अंग हैं।

उन्होंने बताया कि देहरादून अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के पिछले चार वर्षों की अपार सफलता के बाद, हम दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान में फिल्म जागरूकता फैलाने के लिए बहुत उत्साहित हैं। यह न केवल अप्रयुक्त स्थानीय प्रतिभाओं को सामने लाएगा बल्कि क्षेत्रीय फिल्म निर्माताओं और निर्माताओं को मुंबई फिल्म उद्योग के करीब लाएगा। यह अखिल भारतीय और विदेशों के विशद फिल्म निर्माताओं से मिलने के लिए एक साझा मंच भी तैयार करेगा। यह युवाओं को दुनिया भर की मशहूर हस्तियों से अपनी जबरदस्त क्षमता और क्षमताओं का प्रदर्शन करने

में भी सक्षम बनाएगा।

उन्होंने बताया कि पिछले सालों में , रमेश सिप्पी, शरमन जोशी, सुभाष घई, अखिलेंद्र मिश्रा, गोविंद नामदेव, राजपाल यादव, सुषमा सेठ, सौरभ शुक्ला, सीमा विश्वास, मौसमी चटर्जी, पूजा भट्ट, प्रेम चोपड़ा, जिमी शेरगिल, सतीश कौशिक जैसे कई विश्व प्रसिद्ध सेलेब्स दिव्या दत्ता, यशपाल शर्मा, गजेंद्र चौहान, विनय पाठक, हिमानी शिवपुरी, रंजीत, डिनो मोरिया और रजा मुराद आदि फिल्म फेस्टिवल में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा चुके है।

हाकम सिंह बलि का बकरा हमें चाहिए सीबीआई : भुवन कापड़ी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 25 अगस्त। उप नेता सदन और कांग्रेस के खटीमा विधायक भुवन कापड़ी ने राज्य में हो रहे भर्ती घोटाले को देखते हुए कहा की निरंतर सीबीआई की जांच की मांग को ना मानकर एवं भर्तियां निरस्त करके मुख्य अपराधियों को बचाने का कृत सरकार द्वारा किया जा रहा है। जब प्रदेश में युवा और विपक्ष निरंतर मांग कर रहा है कि चयन आयोग की सभी भर्तियों की जांच सीबीआई द्वारा कराई जाए जिससे कि जो इन भर्ती प्रकरणों में सफेदपोश ऊंचे पदों पर बैठे लोग लिप्त हैं उन को कठोर दंड मिल सके। विपक्ष द्वारा सीबीआई जांच की मांग की जा रही है परंतु सरकार सीबीआई जांच मांग को ना मानकर प्रदेश के युवाओं के भविष्य से न्याय नहीं कर रही है।

आगे उन्होंने कहा - ₹विपक्ष के लोगों के लगातार कहने के बावजूद सरकार भर्ती मामले और अधीनस्थ चयन आयोग की सीबीआई से पूरी जांच न कराकर बड़े दोषियों को बचाने का काम कर रही है। क्योंकि मात्र हाकम सिंह को बलि का बकरा बनाकर सरकार अपने नुमाइंदों को बचाने का काम कर रही है। जिससे कि प्रदेश का युवा काफी निराश है अगर सीबीआई जांच होती तो सभी सफेदपोश अपराधियों को उनकी कृत की सजा मिलती और प्रदेश के युवाओं के साथ न्याय होता। परंतु भाजपा सरकार द्वारा भर्तियों को निरस्त कर मात्र अपना पल्ला झाड़ लेना सरकार की मनसा पर ये सवाल खड़ा करता है।

अंत में उन्होने भाजपा सरकार से मांग करते हुए कहा कि प्रदेश के युवाओं के भविष्य को देखते हुए अधीनस्थ चयन आयोग की सभी भर्तियों की जांच सीबीआई से कराए जिससे की आम जनमानस का युवाओं का सरकार के ऊपर भरोसा कायम रहे और अपराधियों को कठोर से कठोर कार्रवाई मिले जिससे ऐसे कृत्य को भविष्य में कोई भी व्यक्ति करने का प्रयास न करें।

शहीद मेजर दुर्गा मल्ल के 78वें श्रद्धांजलि दिवस पर श्रद्धांजलि देते मंत्री जोशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 25 अगस्त। प्रदेश के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने उत्तराखण्ड राज्य नेपाली भाषा समिति द्वारा अमर शहीद दुर्गा मल्ल पार्क गढ़ी कैंट में आयोजित अमर शहीद मेजर दुर्गा मल्ल (आजाद हिंद फौज) के 78 वां श्रद्धांजली दिवस कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने शहीद मेजर दुर्गा मल्ल की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने शहीद मेजर दुर्गा मल्ल के बलिदान दिवस पर उनके पराक्रम को स्मरण कर उन्हें नमन किया। इसके साथ ही कार्यक्रम में सभी राष्ट्रीय शहीदों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि वीर शहीद दुर्गा मल्ल का बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि शहीद दुर्गा मल्ल की डॉक्यूमेंट्री बनाई जाएगी। इसके साथ ही मंत्री जोशी ने कहा कि वह शिक्षा मंत्री से वार्ता कर शहीद दुर्गा मल्ल को पाठ्यक्रम में शामिल करने की बात करेंगे।

मंत्री जोशी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करना चाहिए, जिससे हमारी आने वाली पीढ़ी हमारे वीर सपूतों और अमर बलिदानियों को हमेशा याद रखें। इस अवसर पर मधुसुधन शर्मा,अध्यक्ष नेपाली भाषा समिति, पदम सिंह थापा,अध्यक्ष गोरखाली सुधार सभा, कर्नल जीवन सिंह क्षेत्री, मंडल अध्यक्ष पूनम नौटियाल,प्रभा शाह, कर्नल विक्रम सिंह थापा,भद्रराज अध्यक्ष खलंगा विकास समिति, बसंत कुमार गुरुंग सभा अध्यक्ष सहित कई लोग उपस्थित रहे।

मंत्री जोशी के इस कार्य से अब विद्यालयों के बच्चों को फर्श पर नहीं बैठना पड़ेगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 25 अगस्त। प्रदेश के कृषि एवं सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने गुरुवार को अपने कैंप कार्यालय में टीएचडीसी के सहयोग से 500 छात्र छात्राओं के लिए जनपद देहरादून के ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों के लिए फर्नीचर वितरित किए।

इस अवसर पर टीएचडीसी के सीएमडी आर.के. विशनोई और मुख्य प्रबंधक नैथानी का मंत्री जोशी ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि, दूरस्थ एवं दुर्गम स्थलों में स्थित विद्यालयों में फर्नीचर उपलब्ध नहीं होने से बच्चों को फर्श में चटाई पर बैठना पड़ता है। लेकिन आज सभी स्कूलों में फर्नीचर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस पहल में टीएचडीसी ने भी सहयोग किया है, इसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। साथ ही मंत्री जोशी ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्ध है।

अंडर-15 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में हरिद्वार के देव चौधरी ने जीता कांस्य पदक

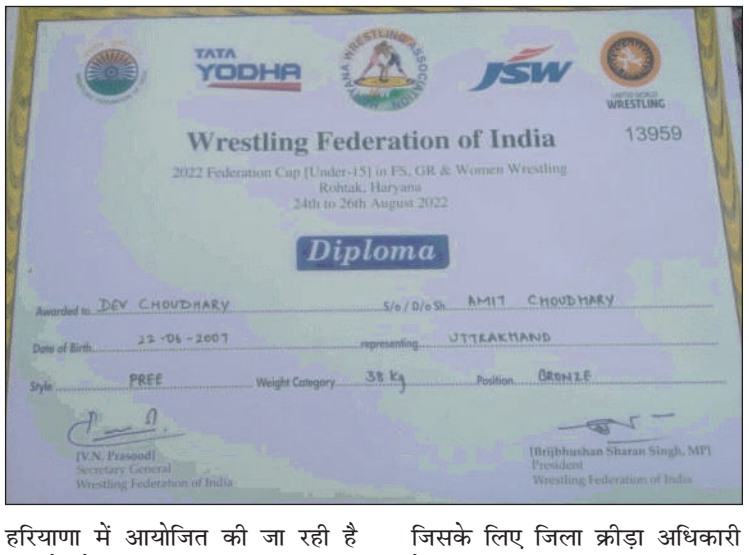

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 25 अगस्त। भारतीय कुश्ती संघ द्वारा आयोजित अंडर -15 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता , जो दिनांक 24 अगस्त से 26 अगस्त 2022 तक रोहतक हरियाणा में आयोजित की जा रही है ,उसमें खेल विभाग हरिद्वार द्वारा संचालित कुश्ती प्रशिक्षण केंद्र भरतपुर लिब्बरहेडी के खिलाड़ी देव चौधरी द्वारा कांस्य पदक प्राप्त किया गया।

जिसके लिए जिला क्रीड़ा अधिकारी राजेंद्र सिंह धामी, प्रदीप कुमार उप क्रीड़ा अधिकारी, शिखा बिष्ट हॉकी प्रशिक्षिका, कु. प्रीतिस्ना कुश्ती प्रशिक्षिका द्वारा खिलाड़ी को बधाई दी गई।

UKSSSC कांड : कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन, सीबीआई जाँच की मांग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 25 अगस्त। बीते कुछ दिनों में ही प्रदेश की राजनीती में बड़ा हड़कंप मचने वाले भर्ती घोटाले की चेन लम्बी होती जा रही है। फर्जीवाड़ा गैंग और अपराधियों की गिरफ्तारियों ने विपक्ष को भी भाजपा सरकार पर हमले का मौका दे दिया है। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग पेपर लीक मामला सहित सहकारिता और शिक्षा विभाग में हुई कथित गड़बड़ियों को लेकर कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात की इस दौरान इन सभी मामलों में जांच और मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग प्रतिनिधि मंडल की तरफ से की गई. वहीं, स्वयं सहायता समूह का फंड रोके जाने को लेकर भी कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से शिकायत कीउत्तराखंड में इन दिनों ग्रेजुएशन स्तर की प्रतियोगी परीक्षा का पेपर लीक मामला छाया हुआ है. मामले में मास्टरमाइंड हाकम सिंह से पूछताछ के बाद एक के बाद एक गिरफ्तारियां की जा रही है. वहीं, कांग्रेस ने मामले को लेकर सरकार पर कई आरोप लगाए हैं. कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रि) गुरमीत सिंह से मुलाकात की.

इस दौरान करण माहरा ने इन सभी मामलों में बड़े चेहरों के खिलाफ भी कार्रवाई किए जाने की मांग की. इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में शामिल गणेश गोदियाल ने सहकारिता में हुए कथित गलत नियुक्तियों का मामला भी उठाया. साथ ही शिक्षा विभाग की नियुक्ति पर भी सवाल खड़े किए.

डोईवाला में 100 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज के लिए कैबिनेट मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने भूमि पूजन किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 25 अगस्त। शहीद दुर्गा मल्ल कि 78 वी पुण्यतिथि के अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने डोईवाला चौक पर शहीद मेजर दुर्गा मल्ल की मूर्ति और 100 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज की स्थापना के लिए भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। इस मौके पर शहीद के बलिदान को नमन करते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए।

गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम का शिलान्यास कर कैबिनेट मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि शहीद दुर्गा मल्ल शुरू से ही स्वाभिमानी, मेहनती, और देश समर्पित रहे। नमक कानून का उल्लंघन करने के लिए महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए दांडी मार्च से दुर्गामल्ल के हृदय में देशभक्ति की भावना जन्म लेने लगी, जिसने उन्हें स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। वहीं से ही दुर्गामल्ल से महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारत की आजादी का स्वप्न देखा था।

डा. अग्रवाल ने कहा कि शहीद दुर्गामल्ल गोरखा समाज की दुर्दशा देखकर सदैव चिंतित और बेचैन रहते थे। वह हरवक्त देश की पराधीनता और दयनीय दशा के प्रति भी अत्यंत चिंतित रहा करते थे। डा. अग्रवाल ने कहा कि उनकी चिंता ने ही उन्हें 18 वर्ष की आयु में गोरखा राइफल्स की बटालियन में भर्ती करवा दिया।

डा. अग्रवाल ने कहा कि शहीद दुर्गामल्ल न सिर्फ आजाद हिंद फौज में स्वयं शामिल हुए बल्कि अपने सहयोगियों को भी इसमें आने के लिए प्रेरित किया। उनकी देशभक्ति और देश के प्रति कर्तव्य भावना तथा उनके शौर्य को देखते हुए उन्हें आजाद हिंद फौज में मेजर की जिम्मेदारी सौंपी गई। डा. अग्रवाल ने बताया कि शत्रुओं से लोहा लेते वक्त उन्हें पकड़ लिया गया।

डा. अग्रवाल ने बताया कि वीर दुर्गामल्ल का एकमात्र उद्देश्य भारत को आजाद कराना था। उन्होंने सामने ब्रिटिश अधिकारियों की एक न चली। जिसके चलते ब्रिटिश अधिकारियों ने उन्हें 25 अगस्त 1944 को फांसी के तख्ते पर चढ़ा दिया। डा. अग्रवाल ने कहा कि मात्र 31 वर्ष की आयु में शहीद दुर्गा मल्ल ने अपने प्राणों की आहूति दी और अमर हो गए।

इस अवसर पर डोईवाला विधायक बृज भूषण गैरोला, नगर पालिका अध्यक्ष डोईवाला सुमित्रा मनवाल, अधिशासी अधिकारी उत्तम सिंह नेगी, अवर अभियंता आशीष ममगाई, शहीद दुर्गा मलके पारिवारिक सदस्य पद्मा मल्ल, गोरखाली सुधार सभा के अध्यक्ष पदम सिंह थापा, अध्यक्ष वीर गोरखा कल्याण समिति कमल थापा, विशाल थापा, सूर्य विक्रम शाही, पंडित शालीग्राम, ईश्वर अग्रवाल, गगन नारंग, सभासद मनीष धीमान, बलविंदर सिंह, हिमांशु राणा, नरेश मनवाल, संगीता डोभाल, प्रियंका मनवाल, राजेश भट्ट, संदीप नेगी, प्रदीप नेगी, ईश्वर सिंह, लक्ष्मी कौशल, रेणु, गौरव मल्होत्रा, गीता खत्री, अब्दुल कादिर, तौफीक अली, शिवानी, सुनीता सैनी, दीपिका नेगी, सुषमा कोठारी सहित स्थानीय लोग मौजूद रहे।

'ऑपरेशन मुक्ति' के अंतर्गत चमोली पुलिस व स्कूली छात्र-छात्राओं ने निकाली रैली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 25 अगस्त। पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड अशोक कुमार के निर्देश पर ₹ऑपेरशन मुक्ति भिक्षा नही शिक्षा दें₹ के तहत उत्तराखंड में भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों की शिक्षा व उनके पुनर्वास हेतु 1 अगस्त से 2 माह का ₹आपरेशन मुक्ति₹ अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान को पहाड़ में रफ़्तार देने के लिए एसपी चमोली श्वेता चौबे के निर्देश पर चमोली में प्रचलित बाल भिक्षावृत्ति अभियान को सफल बनाए जाने हेतु नताशा सिंह सीओ ऑपरेशन के नेतृत्व में गोपेश्वर नगर क्षेत्र में एएचटीयू चमोली की टीम द्वारा गोपेश्वर नगर के विभिन्न स्कूलो के सहयोग से जागरुकता रैली का आयोजन किया गया।

पुलिस व स्कूली बच्चों द्वारा निकाली गई रैली में बैनर, पोस्टर, पम्पलेट, स्लोगन तथा नारे लगाकर स्थानीय लोगों को भिक्षावृत्ति का उन्मूलन कर शिक्षित समाज को स्थापित करने हेतु जागरूक किया गया। सभी लोगों से भिक्षावृत्ति जैसे बुराईयों का अंत करने के लिए अपना अभिन्न योगदान देने की अपील की गई तथा उत्तराखंड पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान का जनपद में जगह जगह व्यापक प्रचार प्रसार किया गया। रैली के दौरान रा0इ0का0 ,रा0बा0इ0का0, सरस्वती विद्या मन्दिर,पीस पब्लिक स्कूल के 350 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

बच्चों के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में अपना योगदान देते हुए अपने आस-पास बाल श्रम व बाल भिक्षावृत्ति की जानकारी मिलने पर पुलिस के आपातकालीन नंबरों(1090/112) पर सूचित करने की अपील की गई। जागरूकता रैली में प्रतिसार निरीक्षक रविकांत सेमवाल, चमोली जिले की ऑपरेशन मुक्ति की टीम तथा विद्यालय के शिक्षक एवम् स्कूल के छात्र-छात्रा मौजूद रहे।

सेहत से जुड़ी बात : अंडे से रहे सावधान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सेहत के लिए खतरनाक है इस समय अंडे। अगर आप अंडे को सेहत के लिए अच्छा मानकर जोश के साथ खा रहे हैं तो वैज्ञानिकों का यह शोध आपके मुंह का स्वाद खराब कर सकता है। हाल ही में हुए एक शोध में यह बात सामने आई है कि घरों में पाले जा रहे मुर्गियों के अंडों में पोल्ट्री फार्म में उगने वाले मुर्गियों की तुलना में 40 गुना ज्यादा सीसा होता है। मुर्गियों पर हुए शोध में उनके खून में लेड की मात्रा को मापा गया जो किसी भी तरह से स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है।

तो आप कैसे जानते हैं कि घर के आंगन की मुर्गियों से आपको मिलने वाले अंडों में यह एक संभावित समस्या है या नहीं? यह आपकी मिट्टी में लेड के स्तर पर निर्भर करता है, जो हमारे शहरों में अलग-अलग होता है।अधिकांश सीसा मुर्गियों में चला जाता है क्योंकि वे गंदगी में खरोंचते हैं और जमीन से भोजन चबाते हैं।

हमने 55 घरों में बगीचे की मिट्टी से घर के आंगन की मुर्गियों और उनके अंडों में धातु के संदूषण का पता लगाया। हमने संदूषण के अन्य संभावित स्रोतों जैसे जानवरों के पीने के पानी और चिकन फ़ीड का भी पता लगाया।

लेड की मात्रा चाहे कम हो या ज्यादा, यह सेहत के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। इस संबंध में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का मानना है कि लेड एक्सपोजर का कोई सुरक्षित स्तर नहीं है। इससे लो आईक्यू या दिल से जुड़ी कई अन्य बीमारियों का खतरा रहता है।

संपादकीय

जलवायु व स्वच्छ ऊर्जा

धरती के बढ़ते तापमान और गंभीर होते जलवायु संकट की चुनौतियों से निपटने के लिए भारत समेत दुनियाभर में स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाने का प्रयत्न किया जा रहा है. जलवायु संकट का मुख्य कारण ग्रीनहाउस गैसों का भारी उत्सर्जन है, जो जीवाश्म आधारित ईंधनों के उपभोग का परिणाम है. स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां सकारात्मक रही हैं तथा 2070 तक कार्बन उत्सर्जन को शून्य के स्तर पर लाने के लिए प्रयास हो रहा है. लेकिन इस प्रयास में जलवायु परिवर्तन ही एक बड़ा अवरोध बन सकता है. पुणे स्थित भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान ने एक अध्ययन में पाया है कि भविष्य में मौसम के तेवर में बदलाव के कारण देश की सौर और पवन ऊर्जा से संबंधित क्षमता पर नकारात्मक असर पड़ सकता है. अध्ययन का आकलन है कि उत्तर भारत में हवा बहने की मौसमी और सालाना गति में कमी आयेगी और दक्षिण भारत में इसमें बढ़ोतरी होगी. वैसी स्थिति में ओडिशा के दक्षिणी तटों तथा आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में पवनचक्कियों के लिए बेहतर स्थिति होगी. हरित ऊर्जा के अधिक उत्पादन के लिए बड़ी क्षमता की पवनचक्कियां लगाने का चलन रहा है. बदलती स्थितियों में कम क्षमता के छोटे-छोटे पवन ऊर्जा संयंत्रों को स्थापित करना होगा. समूचे भारत में हर मौसम में सौर विकिरण में कमी आयेगी. स्वच्छ ऊर्जा से संबंधित योजनाकारों और उद्यमियों को ऐसे अध्ययनों का संज्ञान लेते हुए संभावित परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार करनी चाहिए. मध्य और दक्षिण-मध्य भारत में सौर विकिरण में मानसून से पहले के महीनों में, यानी गर्मी में मामूली कमी का अनुमान है. इन क्षेत्रों में सौर ऊर्जा उत्पादन पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए. सिंधु-गंगा के मैदानों में जलवायु परिवर्तन का सबसे अधिक असर पड़ रहा है. ये क्षेत्र प्रदूषण, अत्यधिक तापमान, पानी की कमी जैसी समस्याओं से भी गंभीर रूप से प्रभावित हैं. इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए नये सिरे से योजनाओं और नीतियों का निर्धारण होना चाहिए क्योंकि बड़ी आबादी और विकास संबंधी जरूरतों को देखते हुए इस हिस्से में ऊर्जा की मांग भी बढ़ती जा रही है. प्रधानमंत्री मोदी ने ग्लासगो जलवायु सम्मेलन में भारत की ओर से भरोसा दिया था कि 2030 तक सकल घरेलू उत्पाद में अधिक उत्सर्जन आधारित गतिविधियों की हिस्सेदारी 2005 के स्तर से 45 प्रतिशत कम कर दी जायेगी तथा गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों से 50 प्रतिशत बिजली हासिल की जायेगी. यह एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य है, पर तकनीक, शोध, निवेश और व्यापक जन भागीदारी से इसे पूरा किया जा सकता है.

नदियों के किनारे सुरक्षा दीवार का निर्माण होगा : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 25 अगस्त। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रायपुर थानो मार्ग पर आपदा से क्षतिग्रस्त सौंग नदी पुल के पुनर्निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने क्षतिग्रस्त पुल को शीघ्रता के साथ आवागमन हेतु सुचारू रूप से संचालित किये जाने पर संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी लाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने पुल के स्थायी निर्माण में भी तेजी लाये जाने को कहा।

मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों तथा आपदा पीड़ितों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी तथा उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनता के हितों एवं उनकी मांग पर नदी के आसपास सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य किया जाएगा साथ ही लोगों के घरों को हुए नुकसान आदि में और आवश्यक मदद राज्य सरकार द्वारा दी जायेगी। उन्होंने कहा कि सरकार आपदा पीड़ितों के साथ खड़ी है। सभी संबंधित अधिकारी आपदा पीड़ितों की मदद के लिये तत्परता के साथ कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दैवीय आपदा से होने वाले नुकसान को कम से कम किया जा सके इस दिशा में भी कार्य योजना तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नदियों के किनारे तटबंध के साथ ही सुरक्षा दीवार का निर्माण किया जायेगा। इसके लिये यदि नदियों का चैनलाइजेशन किया जाना जरूरी होगा तो वह भी किया जायेगा। निरीक्षण के दौरान विधायक उमेश शर्मा काऊ, गढ़वाल कमिश्नर सुशील कुमार, देहरादून जिलाधिकारी सोनिका, एसएसपी दिलीप सिंह, मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग के साथ अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

आपदा की मदद के लिए आगे आए डॉक्टर और जिला प्रशासन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 25 अगस्त। 19 अगस्त की रात को आसमान से बरसी आफत ने सरखेत खेत्र में भारी तबाही मचाई थी। ये आपदा कई परिवारों को कभी न भूलने वाला दर्द दे गई। बता दे देहरादून के मालदेवता इलाके में आई आपदा के कई दिन बाद अब धीरे धीरे हालात सुधर रहे हैं। सॉन्ग नदी पर बने पुल के एक हिस्से पर पुश्ते का निर्माण कर दिया गया है जिससे पुल से छोटे वाहनों की आवाजाही अब शुरू हो गई है।

ऐसे में आपदा राहत शिविरों और गांवों में कई डॉक्टर मदद के लिए आगे आए हैं, ऐसे में डॉ. कमल रंजन, डॉ. मोहम्मद अफजल बट, डॉ. सुनील कुमार और उनकी पैरामेडिकल टीम लोगों की मदद करती नजर आ रही है। आपदा प्रभावित क्षेत्र सरखेत के जिला प्रशासन का भरपूर सहयोग मिल रहा है। पीड़ित परिवार और अन्य लोगों को भोजन उपलब्ध कराना, दुख में साथ रहने का आदर्श वाक्य है।

डीजीपी अशोक कुमार ने भगोड़े बॉबी कटारिया पर 25 हज़ार का इनाम घोषित किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 25 अगस्त। बिगड़ैल और बेलगाम यूट्यूबर बॉबी कटारिया की मुश्किलें और बढ़ने वाली है. जी हां, बॉबी कटारिया ने गैर जमानती वारंट जारी होने के बावजूद अभी तक पुलिस के सामने सरेंडर नहीं किया है. अब डीजीपी अशोक कुमार ने सख्त कदम उठाते हुए देहरादून एसएसपी को बॉबी कटारिया के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई और 25 हजार का इनाम घोषित करने के आदेश दिए हैं. ताकि बॉबी कटारिया पर कानूनी शिकंजा और मजबूती के साथ कसा जा सके.

आपको यहाँ बता दें कि बॉबी कटारिया के खिलाफ देहरादून के थाना कैंट में आईपीसी की धारा 290/510/336/342 और 67 आईटी एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है. कई धाराओं मुकदमा दर्ज होने और कई नोटिस देने के बाद भी बॉबी कटारिया कैंट थाने में बयान के लिए पेश नहीं हुआ. ऐसे में बॉबी के खिलाफ पुलिस ने कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी कर उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश की कार्रवाई जारी रखी है.

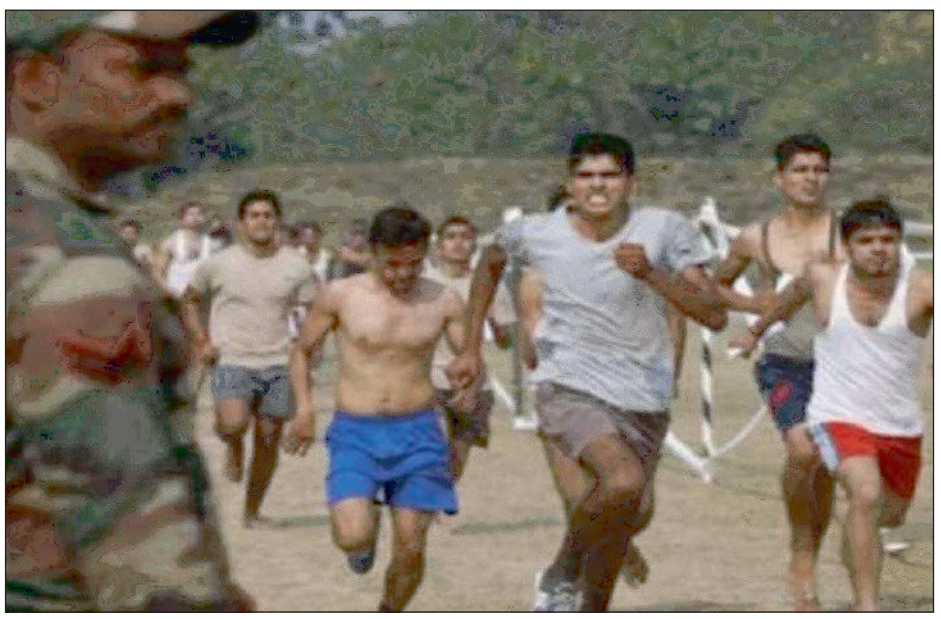

अग्निवीर भर्ती रैली सातवें दिन पहुंचे 4760 युवा वैक्सीनेशन प्रमाण पत्र नहीं लाने वाले बाहर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 25 अगस्त। उत्तराखंड के कोटद्वार में चल रही अग्निवीर भर्ती रैली के सातवें दिन पौड़ी जिले की दो और टिहरी जिले की तीन तहसीलों के 4760 युवा कोटद्वार के विक्टोरिया क्रास गबर सिंह कैंप में अग्निवीर बनने के पहुंचे। भर्ती के लिए इन तहसीलों के 5842 युवाओं ने पंजीकरण कराया था जबकि 1082 युवक नहीं पहुंच सके।

बृहस्पतिवार को पौड़ी जिले की चौबट्टाखाल, यमकेश्वर तहसील और टिहरी जिले की नरेंद्रनगर, घनसाली और प्रतापनगर तहसील क्षेत्र के युवाओं ने भर्ती प्रक्रिया में प्रतिभाग किया। भर्ती के लिए काशीरामपुर तल्ला में बनाए गए प्रतीक्षालय में बुधवार रात एक बजे ही युवा पहुंचे। रात के दो बजे भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई।

आर्मी के जवानों ने युवाओं के प्रवेश पत्र, आधार कार्ड और कोविड वैक्सीनेशन प्रमाणपत्र की जांच की। कोविड वैक्सीनेशन प्रमाण पत्र नहीं लाने वाले युवाओं को बाहर कर दिया गया। कैंप में प्रवेश देने से पहले उनके परिचय पत्र पर मोहर लगाई गई। प्रारंभिक लंबाई में कई युवा बाहर हो गए। कैंप के बलवीर सिंह स्टेडियम में 1600 मीटर दौड़ के में पास होने वाले युवाओं को अगले दौर में शारीरिक परीक्षण के लिए भेजा गया।

शुक्रवार को इन क्षेत्रों की होगी भर्ती

26 अगस्त को टिहरी जिले की धनोल्टी, देवप्रयाग, टिहरी, कीर्तिनगर, जाखणीधार, कंडीसौड़, गाजा, मदननेगी, नैनबाग और पावकीदेवी तहसील क्षेत्र के युवाओं की भर्ती होगी।

वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए जिलाधिकारी सोनिका ने की बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 25 अगस्त। उत्तराखंड एक ऐसा राज्य है जहां दूर-दूर से लोग ताजी हवा खाने आते हैं। ऐसे में उनके वाहन से निकलती प्रदूषण उत्तराखंड राज्य में चिंता का विषय बाना हुआ है। इसलिए राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अन्तर्गत राज्य में देहरादून एवं ऋषिकेश में वायु प्रदूषण की रोकथाम एवं वायु गुणवत्ता के संबंध में जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को वायु प्रदूषण कम करने हेतु उनके विभाग से संबंधित एक्शन प्लान के तहत जो टास्क दिया गया है उसको पूर्ण करते हुए कृत कार्यवाही की सूचना पारणा पोर्टल पर अद्यतन करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद की प्रत्येक दिन की वायु गुणवत्ता की रिपोर्ट जिला आपदा कंट्रोल रूम को प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

साथ ही प्रत्येक तीन माह में बैठक का आयोजित करते हुए प्रदूषण किस प्रकार से नियंत्रण हो इस संबंध में कार्यवाही के साथ ही प्रभावी मॉनिटरिंग भी की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जनपद में जिन स्थानों, संस्थाओं, औधोगिक आस्थानों, को भी चिन्हित करें जहां पर प्रदूषण अधिक है तथा उसको किस प्रकार से नियंत्रण में लाया जाए, उसके लिए भी ठोस कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने नगर निगम देहरादून एवं ऋषिकेश सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदूषण नियंत्रण हेतु उनको जो बजट प्राप्त हुआ है उसका उपयोगिता प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करें। उन्होंने संभागीय परिवहन अधिकारी को शहर में निर्धारित मानक पूर्ण न करने वाले पुराने वाहनों को योजनाबद्ध ढंग से हटाने की कार्यवाही करने को कहा।

बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी नितिशमणी त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के.के मिश्रा, केन्द्रीय प्रदूषण कन्ट्रोल बोर्ड के क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 आर के सिंह, सहायक नगर आयुक्त नगर निगम देहरादून एमपी जोशी, संभागीय परिवहन अधिकारी सुनील कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी ऋषिकेश डी.सी ढ़ोडियाल, नगर निगम ऋषिकेश से रमेश सिंह रावत, अधि0 अभि0 एमडीडीए एस.एस रावत, अधि0 अभि0 लोनिवि डी.सी नौटियाल, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से श्री चतुर्वेदी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा